



सत्यमेव जयते

प्रधानमंत्री
Prime Minister
संदेश

देशवासियों को वन्यजीव सप्ताह 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं। हम सभी के लिए वन्यजीव सप्ताह का यह उत्सव वन्यजीवों की रक्षा और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के प्रति अपने संकल्प को और सुदृढ़ करने का अवसर है।

भारत की प्राचीन परंपरा में प्रकृति को अलग-अलग हिस्सों में नहीं, बल्कि परस्पर जुड़े जीवन-तंत्र के रूप में देखा गया है। इस वर्ष का विषय “जुड़े आवास, वन्यजीवन का विकास” भी इसी दृष्टि को आगे बढ़ाता है।

पिछले एक दशक में भारत ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रोजेक्ट चीता की सफलता इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। इसके साथ ही, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, गैंडे, घड़ियाल, स्लॉथ बियर, नदी डॉल्फिन और हिम तेंदुए जैसी प्रजातियों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास हमारे संरक्षण कार्यों के व्यापक होते दायरे का प्रमाण हैं।

भारत अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस के माध्यम से बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण में वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है। यह मंच बाघ, शेर, तेंदुआ और जगुआर जैसी प्रमुख बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण से जुड़े हमारे अनुभवों को अन्य देशों के साथ साझा करने और उनसे सीखने का अवसर प्रदान करता है।

वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन और प्रकृति के संतुलन के लिए उनके आवासों का आपस में जुड़ा होना आवश्यक है। सरकार राज्यों के साथ मिलकर वन्यजीव कॉरिडोरों की पहचान और उनके संरक्षण पर निरंतर कार्य कर रही है। हमारी संरक्षण यात्रा को अग्रिम पंक्ति के वनकर्मियों, वैज्ञानिकों और संरक्षणकर्मियों के समर्पण तथा स्थानीय समुदायों की अमूल्य भागीदारी से शक्ति मिलती है।

वन्यजीवों के संरक्षण के साथ मानव और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व भी आवश्यक है। इस दिशा में समय पर सूचना और त्वरित प्रतिक्रिया, बेहतर निगरानी, वैज्ञानिक प्रबंधन, स्थानीय स्तर पर जागरूकता और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आइए, इस वन्यजीव सप्ताह पर हम प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का पुनः स्मरण करें। सरकार के प्रयासों के साथ हम सभी अपने-अपने स्तर पर वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा में योगदान दें। जब जंगल और वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे, तो प्रकृति का संतुलन भी बना रहेगा। यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान विरासत होगी।

वन्यजीव सप्ताह 2026 के उत्सव से जुड़े सभी लोगों को पुनः बधाई और भविष्य के प्रयासों के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली

आश्विन 08, शक संवत् 1948

30 सितम्बर, 2026